प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर का किसान मेला वास्तव में कृषि कुम्भ-डा. तेज प्रताप

पुरस्कार वितरण के साथ किसान मेले का समापन

पंतनगर। 10 मार्च 2019। पंतनगर के चार-दिवसीय किसान मेले का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज गांधी हाल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष क्षेत्रीय विधायक, श्री राजेश शुक्ला, के साथ निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. वाई.पी.एस. डबास एवं निदेशक शोध, डा. एस.एन तिवारी, भी मंचासीन थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि, डा. तेज प्रताप, ने अपने संबोधन में कहा कि पंतनगर का किसान मेला वास्तव में कृषि कुम्भ है क्योंकि ऐसा मेला अन्य किसी कृषि विश्वविद्यालय में नहीं लगाया जाता। विश्वविद्यालय द्वारा लगभग 2,000 कुंतल बीज पूरे वर्ष में दिया जाता है, साथ ही यहां के किसान मेले में आने वाले किसानों की संख्या भी अन्य विश्वविद्यालयों के मुकाबले काफी ज्यादा होती है। डा. प्रताप ने कहा कि इस चार दिवसीय मेले में किसान जितनी जानकारी प्राप्त करते है, वह छः माह के पाठ्यक्रम के बराबर होती है। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों से किया जाने वाला सीधा संवाद उनके सभी प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान करता है। मेले में स्टाल लगाने वाली फर्मों की प्रतिभागिता को उन्होंने अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया जिसके कारण किसान को एक ही उत्पाद अथवा मशीनरी के अनेक विकल्प उपलब्ध होते है तथा उसे निर्णय लेने में ज्यादा अधिक समय गंवाना नहीं पड़ता। पशु प्रदर्शनी में इस बार भेड़ व बकरी की प्रविष्टी का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में इन पशुओं का अधिक महत्व है, इसलिए इनकी भागीदारी आवश्यक है। कुलपति ने मेले में होने वाली कठिनाईयों को सहज रूप से लेने के लिए कहा, क्योंकि ऐसे मेले में कुछ न कुछ कठिनाईयां होना स्वाभाविक है तथा इसी से मेले का एहसास होता है। पंतनगर किसान मेले से किसानों व अन्य लोगों के लगाव को उन्होंने इसकी सफलता बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि शिखर पर पहुंचना तो आसान है लेकिन शिखर पर बने रहना मुश्किल है। पंतनगर विश्वविद्यालय शिखर पर बना हुआ है यह सिर्फ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विद्यार्थी, बीज, शोध एवं कृषि तकनीकों के वजह से ही संभव हुआ है। पंतनगर विश्वविद्यालय एक तरफ तो पूरे देश की कृषि को ध्यान में रखकर तकनीकों का विकास कर रहा है, दूसरी ओर उत्तराखण्ड की पर्वतीय खेती के विकास की जिम्मेदारी भी उठा रहा है। श्री शुक्ला ने कहा कि अन्य देशों की भांति भारत भी कृषि सब्सिडी किसानों को देकर उनके जीवन स्तर को उठाने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किसान मेले में दी गयी नवीनतम जानकारियों से कृषि में आधुनिकता आयेगी। उन्होंने इस अवसर पर पंतनगर के नाम से बीज उत्पादन करने वाली संस्था, उत्तराखण्ड बीज एवं तराई विकास निगम, को संकट के समय में गोद लिए जाने के लिए कहा जैसा कि पहले था।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में चार-दिवसीय 105वें किसान मेले के बारे में जानकारी देते हुए डा. वाई.पी.एस. डबास ने बताया कि इस मेले में विभिन्न फर्मों, विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी संस्थाओं के छोटे-बड़े लगभग 300 स्टाल लगाये गये व हजारों किसानों, जिसमें नेपाल के किसान एवं विद्यार्थी भी सम्मिलित भी थे, ने मेले का भ्रमण किया। इस मेले में पद्मश्री प्राप्त प्रगतिशील किसानों द्वारा व्याख्यान दिये जाने को उन्होंने इस मेले की विशेषता बताया। निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा मेले में आयोजित की गयी विभिन्न प्रतियोगिताओं व स्टालों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

किसान मेले के समापन समारोह में संबोधित करते कुलपति डा. तेज प्रताप।